कल्पना चावला – अंतरिक्ष यात्री

कल्पना चावला का जन्म हरियाणा के छोटे से शहर करनाल में हुआ था। पढ़ाई में होशियार कल्पना ने चंडीगढ़ से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। लेकिन उनके सपनों की उड़ान और ऊँची थी। वो जानती थीं कि सितारों तक पहुँचने के लिए उन्हें और मेहनत करनी होगी।

इसी सपने को पूरा करने के लिए वो अमेरिका गईं और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। अपनी अटूट लगन और कड़ी मेहनत के दम पर कल्पना ने दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित अंतरिक्ष संस्था नासा में अपनी जगह बनाई।

वो दिन आया जिसका उन्हें इंतज़ार था - 1997 में, कल्पना ने स्पेस शटल कोलंबिया में बैठकर अंतरिक्ष के लिए अपनी पहली उड़ान भरी। वो भारत में जन्मी पहली महिला थीं जिन्होंने धरती से दूर, सितारों के बीच यात्रा की। यह क्षण न सिर्फ कल्पना के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व और प्रेरणा का पल बन गया।

कल्पना सिर्फ एक बार अंतरिक्ष जाकर रुकने वालों में से नहीं थीं। उनका जुनून उन्हें दोबारा सितारों की ओर खींच ले गया। 2003 में वे अपने दूसरे अंतरिक्ष मिशन पर रवाना हुईं।

दुर्भाग्यवश, मिशन से लौटते समय उनका अंतरिक्ष यान दुर्घटना का शिकार हो गया और कल्पना अपने साथियों सहित सदा के लिए सितारों में ही विलीन हो गईं।

भले ही कल्पना आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी कहानी हर भारतीय लड़की को यह सिखाती है — "अपने सपनों पर यकीन रखो, चाहे वे आसमान जितने ऊँचे ही क्यों न हों। हिम्मत, मेहनत और दृढ़ निश्चय से कोई भी मंज़िल दूर नहीं।"

READ MORE STORIES ON
www.bharatkibetiyokikahaniyaan.com/

https://bharatkibetiyokikahaniyaan.com/
https://bharatkibetiyokikahaniyaan.com/